

# सामाजिक परिवर्तन (social change)

समाज एक परिवर्तनशील व्यवस्था है। प्रत्येक समाज में चाहे - अनचाहे परिवर्तन की प्रक्रिया चलती रहती है। विश्व में ऐसा कोई भी समाज नहीं है जो परिवर्तन की प्रक्रिया से अधूरा है। सामाजिक परिवर्तन एक सर्वांगीण एवं अनिवार्य प्रक्रिया है। परिवर्तन चाहे तो समाज के समस्त ढाँचे में आसन्नता है अथवा समाज के किसी विशेष पक्ष तक ही सीमित हो सकता है। परिवर्तन एक सर्वांगीण घटना है। यह किसी-न-किसी रूप में हमेशा चलने वाली प्रक्रिया है। परिवर्तन क्यों और कैसे होता है इस समाजशास्त्रियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए हैं।

सामाजिक परिवर्तन एक विश्वव्यापी प्रक्रिया है, अर्थात् सामाजिक परिवर्तन दुनिया के हर समाज में घटित होती है दुनिया में ऐसा कोई भी ऐसा समाज नहीं मजूर आता, जो दीर्घकाल तक स्थिर रहा हो या स्थिर हो। यह संभव है कि परिवर्तन की स्फूर्त कभी धीमी और कभी तीव्र हो लेकिन परिवर्तन समाज में चलने वाली एक सतत प्रक्रिया है। सामाजिक परिवर्तन के विविध स्वरूप होते हैं। प्रत्येक समाज में सघर्ष, समायोजन, संघर्ष या प्रतिपत्ति की प्रक्रियाएँ चलती रहती हैं; जिनसे सामाजिक परिवर्तन विभिन्न रूपों में प्रकट होता है। परिवर्तन कभी एक रेखीय ही कभी बहुरेखीय होता है।

अर्थात् परिवर्तन सभी सामाजिक व्यवस्थाओं में होता है, तो सभी व्यवस्थाओं में परिवर्तन का अर्थ अल्प-अवधि के लिए होता है, तो सभी दीर्घकालीन सामाजिक परिवर्तन को गति

अनिवार्य या सापेक्ष होती है। सामाजिक परिवर्तन को समान नहीं होती है। सामाजिक संरचना के सभी अंग समान रूप से परिवर्तित नहीं होते हैं। जैसे - ग्रामीण समुदाय की अपेक्षा शहरी समुदाय में परिवर्तन ज्यादा तेज गति से होता है।

सामुदायिक परिवर्तन की गति बहुत सामाजिक परिवर्तन है। इस कारण कारगरता यह है कि सामाजिक परिवर्तन का संबंध कौन सी विशेष व्यवस्था या समूह के विशेष आशय तक नहीं होता है। परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन कह जाते हैं जिनका प्रभाव समस्त समाज में अनुभव किया जाता है।

सामाजिक परिवर्तन की कोई निश्चित अवधिवाणी नहीं की जा सकती है इसका मुख्य कारण यह है कि अनेक आकस्मिक कारणों से सामाजिक परिवर्तन की स्थिति पैदा करते हैं। इसलिए सामाजिक परिवर्तन के निश्चित स्वरूप की अवधिवाणी हम नहीं कह सकते हैं। उपाहरणार्थ - मार्क्स ने पूँजीवाद के अन्त में समाजवाद के उत्थान की अवधिवाणी की थी, लेकिन यह परिवर्तन अब तक साकार नहीं हो पाया है और न ही होने की सम्भावना है।